बुद्धि–परीक्षण का निर्देशन में प्रयोग (USE OF INTELLIGENCE TESTS IN GUIDANCE)

सफल निर्देशन तभी सम्भव है जब व्यक्ति सम्बन्धी समस्त सूचनायें सही हों। सूचनायें संगृहीत करने के दो प्रकार के साधनों का उल्लेख किया जा चुका है—प्रमापीकृत एवं अप्रमापीकृत। बुद्धि–परीक्षा प्रमापीकृत साधन है और इसके माध्यम से संगृहीत सूचनायें भी प्रमापीकृत होती हैं। बुद्धि–परीक्षा द्वारा छात्रों की योग्यता, उनकी क्षमता तथा अभियोग्यता इत्यादि से सम्बन्धित पूरी–पूरी सूचना प्राप्त हो जाती है। इन सूचनाओं के माध्यम से शैक्षिक तथा व्यवसाय–निर्देशन में सहायता प्राप्त होती है।

1. विद्यालयों में छात्रों को प्रवेश देने में (Admission of students in the schools)—अनेक विद्यालय, महा विद्यालय तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण देने वाली संस्थायें प्रवेश के लिये छात्रों का चयन करने के लिये बुद्धि परीक्षाओं का प्रयोग करती हैं।

2. पाठ्य–क्रम चयन में सहायता (Helping in selection of courses)—बुद्धि परीक्षण के आधार पर छात्रों को पाठ्यक्रम चयन में सहायता प्रदान की जा सकती है।

3. छात्रों का वर्गीकरण (Classification of pupils)—विद्यालय में विभिन्न क्रियाओं में भाग लेने के लिये छात्रों के समूह रचना में भी बौद्धिक परीक्षण सहायता करते हैं।

4. असामान्य छात्रों को लगाना (Detection of deviate students)—बुद्धि परीक्षाओं की सहायता से प्रतिभाशाली, पिछड़े तथा समस्यात्मक बालकों की पहचान सम्भव होती है।

5. अधिगम प्रक्रिया में सहायक (Helps in learning process)—क्रो एवं क्रो के अनुसार बुद्धि परीक्षा के द्वारा ज्ञात कर सकता है कि छात्र क्या सीख सकते हैं, कितनी शीघ्रता से सीख सकते हैं। साथ ही वह शिक्षण विधि का चयन कर सकता है।

6. छात्रवृत्ति प्रदान करने में (For awarding scholarships)—छात्रों को छात्रवृत्ति के लिये चयन करने में भी बुद्धि परीक्षाओं से सहायता मिलती है।

7. विद्यालय सफलता की भविष्यवाणी करने में (Prediction of success in school)—बुद्धि परीक्षा के आधार पर छात्रों की सफलता की भविष्यवाणी करना सम्भव है।

बुद्धि परीक्षण का व्यावसायिक निर्देशन में भी अग्रलिखित उद्देश्यों की पूर्ति के लिये उपयोग होता है—

Scanned with CamScanner

1. व्यावसायिक चयन में,
2. व्यवसाय के लिये उपयुक्त कर्मचारी की नियुक्ति में,
3. व्यवसाय में समायोजन में सहायता देने में,
4. व्यवसाय में व्यक्ति की सफलता की भविष्यवाणी करने में,
5. असन्तुष्ट कर्मचारियों का पता लगाने में।

अभिरुचि परीक्षण (APTITUDE TESTS)

अभिरुचि का अर्थ (Meaning of Aptitude)

निर्देशन में अभिरुचि का महत्वपूर्ण स्थान है। यह एक अवलोकित तथ्य है कि मानव क्रियाओं के करने में लोग परस्पर एक–दूसरे से और यहाँ तक कि स्वयं में भिन्नता प्रकट करते हैं। प्रायः हम अपने दैनिक जीवन के विभिन्न पक्षों में ऐसे लोगों के सम्पर्क में आते हैं जो समान परिस्थितियों में किसी दक्षता के अर्जन में एक–दूसरे से आगे निकलकर कुछ निश्चित वृत्तियों में अपने को उसके लिये अधिक उपयुक्त और कुशल सिद्ध करते हैं। ऐसे व्यक्तियों को हम विशिष्ट अभिरुचि से विभूषित व्यक्ति कहते हैं। अभिरुचि का अर्थ समझने के लिये यहाँ विभिन्न विद्वानों द्वारा दी गयी परिभाषाओं पर विचार करना उपयुक्त होगा—

1. वारेन के अनुसार—इन्होंने अपने शिक्षा मनोविज्ञान कोष में अभिरुचि को परिभाषित करते हुये लिखा है—"अभिरुचि की दशा या गुणों का समूह है जो व्यक्ति की उस योग्यता की ओर संकेत करती है जो प्रशिक्षण के बाद ज्ञान, दक्षता या प्रतिक्रिया को सीखता है, जैसे—भाषा बोलने या संगीतोत्पादन की क्षमता।"

"An aptitude is a condition or set of characteristics regarded as symptomatic of an individuals ability to acquire with traing some knowledge, skills or set of responses such as ability to speak language, to produce music etc." —Waren

2. फ्रीमैन—अभिरुचि एक स्थिति या विशेषताओं का एक समूह है जो प्रशिक्षण से कुछ विशिष्ट ज्ञान, दक्षता या प्रतिक्रियाओं को अर्जित करने की मानव की योग्यता की आरे संकेत करता है, जैसे—भाषा–बोलना, संगीतज्ञ बनना, यह यांत्रिक बनने की योग्यता।"

"An aptitude is a condition or set of charateristics indicative of an individuals ability with training soem specific knowledge, skill or set of responses, such as the ability to speak a language, to become a musician, to do mechanical work etc.

—Freeman

3. ट्रैक्सलर—"अभिरुचि वर्तमान दशा है जो व्यक्ति की भावी क्षमताओं की ओर संकेत करती है।"

"Aptitude is a present condition which is indicative of an individual's potentialities for the future." —A. E. Traxler

4. विंघम—"अभिरुचि किसी व्यक्ति की प्रशिक्षण के बाद ज्ञान, दक्षता या प्रतिक्रियाओं को सीखने की योग्यता है।"

"An aptitude is the individual's ability to acquire with some trianing some knowledge or skill or set of responses in a given field." —Bingham

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर अभिरुचि की निम्नलिखित विशेषतायें होती हैं—

1. अभिरुचि वर्तमान वस्तुस्थिति है जिसका भविष्य से सम्बन्ध है।
2. यह जन्मजात एवं वातावरण का गुणनफल है।

Scanned with CamScanner

3. इनका निर्माण एक विशेष आयु स्तर पर होता है।
4. अभिरुचि बहु तत्वमय होती है।
5. अभिरुचि पर शिक्षण-प्रशिक्षण का थोड़ा प्रभाव अवश्य पड़ता है।
6. अभिरुचि व्यक्ति की किसी कार्य या व्यवसाय को करने की योग्यता का संकेत मात्र है।

अभिरुचि का स्वरूप (Nature of Aptitude)

अभिरुचि को समझने के लिये तीन प्रश्नों पर विचार करना होगा—

1. अभिरुचि जन्मजात होती है या अर्जित—20वीं शताब्दी तक मनोवैज्ञानिक का मत था कि अभिरुचि जन्मजात होती है। लेकिन अब मनोवैज्ञानिक अनुसन्धानों के आधार पर विश्वास करने लगे हैं कि अभिरुचि के विकास में वातावरण का भी अधिक प्रभाव रहता है। दोनों तत्व अभिरुचि को प्रभावित करते हैं।

2. अभिरुचियाँ परिवर्तनशील होती हैं या स्थिर—यह भी विवादास्पद विषय है। वैसे यह मान्यता है कि प्रशिक्षण और अनुकूल वातावरण में इनमें वृद्धि सम्भव है। लेकिन अभिरुचि में शीघ्रता से परिवर्तन नहीं होता है।

3. अभिरुचि एकात्मक होती हैं और बहुतत्वमय—अब तक विद्वान अभिरुचि को एक तत्व से निर्मित मानते थे। लेकिन अब इसको अनेक तत्वों से निर्मित मानते हैं। ये केवल एक सामान्य लक्षण का प्रतिफल नहीं है।

अभिरुचि के प्रकार (Types of Aptitudes)

अभिरुचि अनेक प्रकार की होती हैं। यहाँ कुछ विद्वानों द्वारा सुझावों एवं प्रकारों को जानना उपयुक्त होगा।

1. बिंघम के अनुसार अभिरुचि के प्रकार—

1. क्लर्क व्यवसाय के लिये अभिरुचि,
2. संगीत और कला के लिये अभिरुचि,
3. अध्यापन कार्य के लिये अभिरुचि,
4. वकालत के लिये अभिरुचि,
5. चिकित्सा व्यवसाय के लिये अभिरुचि,
6. इंजीनियर के लिये अभिरुचि,
7. हस्तशिल्प के लिये अभिरुचि,
8. कुशल व्यापार के लिये अभिरुचि।

2. कैली द्वारा अभिरुचि के प्रकार—

1. संख्यात्मक (Numerical),
2. गति (Motor),
3. संगीत (Music),
4. सामाजिक (Social),
5. यान्त्रिक (Mechanical),
6. मौखिक (Verbal),
7. स्थान सम्बन्धी (Spatial)।

अभिरुचि का मापन (MEASUREMENT OF APTITUDES)

अभिरुचि परीक्षणों के प्रकारों का अध्ययन करने से पूर्व अभिरुचि परीक्षण का अर्थ समझ लेना अधिक उपयुक्त होगा। इसके लिये कुछ विद्वानों द्वारा दी गयी परिभाषाओं का अध्ययन आवश्यक है।

1. गैरेट के अनुसार—"अभिरुचि परीक्षायें ऐसी परीक्षायें हैं, जिनके द्वारा संगीत, गणित या यान्त्रिक दक्षता का पता लगाया जाता है।"

2. हल के अनुसार—"अभिरुचि परीक्षा का निर्माण किसी व्यक्ति में विशेष व्यवसाय को सीखने या विशेष कौशल में दक्षता प्राप्त करने की क्षमता का पता लगाने के लिये किया जाता है।"

3. ब्लूम और बेलिंसकी के अनुसार—"अभिरुचि परीक्षाओं का बुद्धि परीक्षाओं से सम्बन्ध है। इनका निर्माण मानसिक कारक जैसे—मौखिक (Verbal), स्थानिक या प्रत्यक्ष ज्ञानात्मक योग्यतायें मापने के लिये होता है।"

4. स्किनर के अनुसार—"अभिरुचि परीक्षायें विशिष्ट योग्यताओं की सम्भावित मात्रा का मापन करती है।"

अभिरुचि परीक्षण के लिये अनेक प्रकार के परीक्षण बनाये गये हैं। सामान्य रूप में इन परीक्षणों को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है—

1. यान्त्रिक अभिरुचि परीक्षण (Mechanical Aptitude Tests)
2. संगीतात्मक अभिरुचि परीक्षण (Musical Aptitude Tests)
3. व्यावसायिक अभिरुचि परीक्षण (Professional Aptitude Tests)
4. शैक्षिक अभिरुचि परीक्षण (Scholastic Aptitude Tests)

अभिरुचि परीक्षाओं के प्रकार (Types of Aptitude Tests)

अभिरुचि परीक्षणों को तीन वर्गों में विभक्त किया जा सकता है—

1. कारक विश्लेषण परीक्षण (Factor analysis tests)—इन परीक्षणों द्वारा प्रधान योग्यताओं का मापन होता है। थर्स्टन ने सात प्रकार की प्रधान योग्यताओं का पता लगाकर कारक विश्लेषण विधि का प्रयोग किया। उसके द्वारा निर्मित परीक्षण शिकागो परीक्षणों के नाम से प्रसिद्ध हुये।

2. विभेद अभिरुचि परीक्षण (Differential aptitude tests)—इन परीक्षणों में अनेक उपपरीक्षण होते हैं जिनको बैटरी (Battery) कहते हैं। इनके द्वारा विभिन्न योग्यताओं का मापन होता है। D. A. T. परीक्षण इसका उदाहरण है।

3. विशिष्ट क्षेत्रों में अभिरुचि परीक्षण (Aptitude tests for specific areas)—इनके द्वारा कला, संगीत, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, क्लर्की आदि विशिष्ट क्षेत्रों में प्रदर्शित योग्यता का मापन होता है।